अनुक्रमणिका

प्रस्तावना 1-6

1.प्रथम अध्याय–आलोचना एक सर्वेक्षण 7-37

1.1 आलोचना का अर्थ और स्वरूप

1.2 आलोचना के प्रकार

1.3 आलोचना की परिभाषा और परंपरा

1.3.1 आलोचना संबंधी पाश्चात्य परिभाषा और परंपरा

1.3.2 आलोचना संबंधी भारतीय (हिंदी) परिभाषा और परंपरा

1.3.3आलोचना संबंधी असमिया परिभाषा तथा परंपरा

2. द्वितीय अध्याय–प्रो॰'मागध'जी का जीवनवृत्त, 38-94

व्यक्तित्व एवं साहित्यिक कृतित्व

2.1 प्रो॰ 'मागध' का जीवनवृत्त

2.1.1 बाल्य जीवन और शिक्षा

2.1.2 विद्यालय शिक्षक के रूप में कर्मजीवन

2.1.3 डीग्री कॉलेज में हिंदी व्याख्याता के रूप में कर्मजीवन

2.1.4 गौहाटी विश्वविद्यालय में कर्मजीवन

2.1.5 मणिपुर विश्वविद्यालय में कर्मजीवन

2.1.6 ईटानगर होते हुए गाँव वापसी

2.2 प्रो॰ 'मागध' का व्यक्तित्व

2.3 प्रो॰ 'मागध' का कृतित्व

3. तीसरा अध्याय–प्रो॰ 'मागध' कालीन असमिया 95-108

आलोचना एवं प्रसिद्ध आलोचक

3.1 प्रो॰ 'मागध'कालीन असमिया आलोचना

3.2 प्रो॰ 'मागध'कालीन असमिया आलोचक

4. चतुर्थ अध्याय- प्रो॰ 'मागध'कृत असमिया आलोचना के प्रेरक तत्व तथा उनका

आलोचक व्यक्तित्व 109-129

4.1 डॉ॰ 'मागध'कृत असमिया आलोचना के प्रेरक तत्व

4.2 'मागध'जी का आलोचक व्यक्तित्व

5. पंचम अध्याय–प्रो॰ 'मागध'कृत असमिया आलोचना 130-185

5.1 तुलनात्मक आलोचना

5.2 व्यावहारिक आलोचना

5.3 ऐतिहासिक आलोचना

उपसंहार 186-189

ग्रंथानुक्रमणिका 190-195